नर्मदा आरती | By Ravinder Sharma |

ॐ जय जगदानन्दी,
मैया जय आनंद कन्दी।
ब्रह्मा हरी शिव शंकर,
रेवा शिव हरी शंकर
रुद्री पालन्ती॥
ॐ जय जगदानन्दी॥

देवी नारद शारद तुम वरदायक,
अभिनव पदचण्डी।
सुर नर मुनि जन सेवत,
सुर नर मुनि शारद पदवन्ती॥
ॐ जय जगदानन्दी॥

देवी धूमक वाहन राजत,
वीणा वादयन्ती।
झूमकत झूमकत झूमकत,
झननन झननन रमती राजन्ती॥
ॐ जय जगदानन्दी॥

देवी बाजत ताल मृदंगा,
सुरमण्डल रमती।
तोड़ीतान तोड़ीतान तोड़ीतान,
तुरड़ड़ तुरड़ड़ तुरड़ड़
रमती सुरवन्ती॥
ॐ जय जगदानन्दी॥

देवी सकल भुवन पर आप विराजत,
निशदिन आनन्दी।
गावत गंगा शंकर,
सेवत रेवा शंकर,
तुम भव मेटन्ती॥
ॐ जय जगदानन्दी॥

मैया कंचन थाल विराजत,
अगर कपूर बाती।
अमरकंठ में विराजत,
कोटी रतन ज्योति॥
ॐ जय जगदानन्दी॥

मैया जी की आरतीजो जन
निशदिन पढ़ि गावें,
रेवा जुग-जुग जन गावें।
भजत शिवानंद स्वामी,
मन वांछित पावें॥

ॐ जय जगदानन्दी,
मैया जय आनंद कन्दी।
ब्रह्मा हरी शिव शंकर,

रेवा शिव हरी शंकर
रुद्री पालन्ती ॥
ॐ जय जगदानन्दी ॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a6%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%b0%e0%a4%a4%e0%a5%80-by-ravinder-sharma/